INS निपुण: गोताखोरी-सहायता पोत और पनडुब्बी में अंतर

अध्ययन/स्रोत-संदर्भ: समाचार: 31 अगस्त 2026 | नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई
वास्तविक प्रकाशन तिथि: 20 अक्टूबर 2026
रक्षा प्रौद्योगिकी: विशिष्ट नौसैनिक पोत

समाचार-संदर्भ:

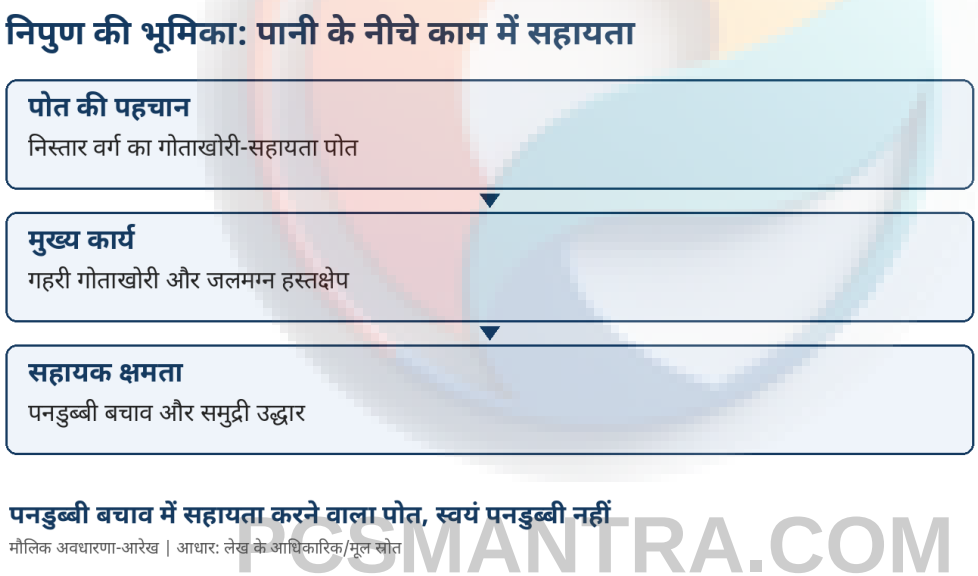
PIB के अनुसार भारतीय नौसेना ने INS निपुण को 31 अगस्त 2026 को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में कमीशन किया। यह निस्तार वर्ग का दूसरा Diving Support Vessel अर्थात गोताखोरी-सहायता पोत है। अगस्त का यह आधिकारिक संदर्भ किसी जुलाई की अनुमानित तारीख से अलग है।

त्वरित पहचान:

निपुण को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, विशाखापत्तनम ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया। इसके वर्ग का संबंध INS निस्तार से है।

इसका मुख्य उद्देश्य गहरे समुद्र में गोताखोरी और पानी के नीचे कार्यवाही को सहायता देना है। आधिकारिक विवरण सैचुरेशन, एयर और हेलिऑक्स गोताखोरी में सहायता की क्षमता बताता है।

पोत पर निरीक्षण और हस्तक्षेप के लिए दूरस्थ संचालित जलमग्न प्रणालियाँ भी हैं। यहाँ “दूरस्थ संचालित” प्रणाली को बिना गोताखोर हर प्रकार का बचाव स्वतः पूरा करने की गारंटी नहीं कहा गया है।



PCSMANTRA.COM

चित्र: लेख के मूल स्रोतों पर आधारित मौलिक अवधारणा-आरेख।

सहायता पोत की अवधारणा:

नौसेना का हर पोत एक ही उद्देश्य से नहीं बनता। कुछ प्लेटफॉर्म युद्धक कार्यों पर केंद्रित होते हैं, जबकि विशिष्ट सहायता पोत गोताखोरी, निरीक्षण, जीवन-समर्थन और बचाव जैसे कामों के लिए बने होते हैं।

निपुण का पानी के नीचे अभियानों से संबंध इसे पनडुब्बी नहीं बना देता। पनडुब्बी बचाव-सहायता और पनडुब्बी-रोधी युद्ध भी एक ही कार्य नहीं हैं। इस पोत को पनडुब्बी-रोधी उथले जलयान या विध्वंसक की श्रेणी में न रखें।

विशेष सुविधाओं का संबंध:

PIB विवरण में विशेष गोताखोरी परिसर, डायनेमिक पोजिशनिंग और जीवन-समर्थन तथा चिकित्सा सुविधाएँ शामिल हैं। ये समुद्र में जटिल और लंबे काम में सहायता के लिए पूरक क्षमताएँ हैं।

डायनेमिक पोजिशनिंग को यहाँ पोत की परिचालन सहायता-क्षमता के रूप में समझें। इस लेख में उसकी किसी अप्रमाणित सटीकता, काम करने की अधिकतम गहराई या हर समुद्री दशा में सफलता का दावा नहीं है।

परीक्षा में भ्रम से बचें:

वर्ग: निस्तार। निर्माता: हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड। कमीशनिंग: मुंबई। निर्माता का शहर और कमीशनिंग का स्थान अलग हैं।

किसी प्लेटफॉर्म की क्षमता से किसी विशेष बचाव मिशन के सफल होने का निष्कर्ष नहीं निकलता। यहाँ समाचार कमीशनिंग का है, किसी अनिर्दिष्ट वास्तविक बचाव-अभियान की सफलता का नहीं।

PCSMANTRA.COM

प्रारंभिक परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

1. INS निपुण की उचित पहचान कौन-सी है?

(a) निस्तार वर्ग का गोताखोरी-सहायता पोत

(b) परमाणु पनडुब्बी

(c) केवल मौसम उपग्रह

(d) उथले जल का पनडुब्बी-रोधी युद्धक जलयान

उत्तर: (a) - आधिकारिक कमीशनिंग विवरण इसे निस्तार वर्ग का DSV बताता है।

2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. हिंदुस्तान शिपयार्ड - डिजाइन और निर्माण
2. मुंबई - कमीशनिंग का स्थान
3. निस्तार - संबंधित पोत-वर्ग

कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c) - निर्माण, कमीशनिंग और वर्ग अलग लेकिन सही पहचाने गए हैं।

3. पनडुब्बी बचाव में सहायता की क्षमता से क्या निष्कर्ष नहीं निकलता?

(a) पोत का जलमग्न कार्यों से संबंध है

(b) यह विशिष्ट सहायता दे सकता है

(c) यह स्वयं भी अनिवार्य रूप से पनडुब्बी है

(d) जीवन-समर्थन सुविधाएँ उपयोगी हो सकती हैं

उत्तर: (c) - सहायता का उद्देश्य और प्लेटफॉर्म का प्रकार अलग बातें हैं।

स्रोत:

PCSMANTRA.COM

PIB: INS निपुण का नौसेना में कमीशन, 31 अगस्त 2026
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2305003&lang=1&reg=3